दैनिक भास्कर 26.07.2019

जीवाजी यूनि. की डॉ. रेणु जैन डीएवीवी की पहली महिला कुलपति

टीचिंग और रिसर्च में रुचि रखने वाली महिला कैंडिडेट ढूंढ रही थीं कुलाधिपति, जीवाजी वीसी ने सुझाया रेणु का नाम

आज जिम्मेदारी संभालेंगी डॉ. जैन

दिनेश जोशी | इंदौर

ग्वालियर की जीवाजी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स की प्रमुख 63 वर्षीय डॉ. रेणु जैन देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की नई कुलपति होंगी। 55 साल के यूनिवर्सिटी के इतिहास की वे पहली महिला कुलपति होंगी। गुरुवार को कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की स्वीकृति के बाद राजभवन ने आदेश कर दिया। 24 जून को राज्य शासन द्वारा धारा 52 लगाकर कुलपति पद से प्रो. नरेंद्र धाकड़ को बर्खास्त किए जाने के बाद से यह पद खाली पड़ा था। शासन और राजभवन के बीच अपनी पसंद के कुलपति की नियुक्ति को लेकर चल रहे टकराव के कारण 32 दिन तक यूनिवर्सिटी बगैर कुलपति के चलती रही। इसके चलते सीईटी देने वाले 17 हजार छात्रों का भविष्य संकट में आ गया। 10 हजार से ज्यादा छात्रों की डिग्रियां अटक गईं। अब नई कुलपति के सामने सीईटी पर निर्णय लेने और लंबित कार्यों को दोबारा शुरू करवाने की बड़ी चुनौती होगी।

अहिल्या विवि में देवी... बोलीं, खुद भी क्लास लूंगी

जीवाजी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला (दाएं) ने घोषणा होते ही डॉ. जैन का अभिनंदन किया।

जीवाजी यूनिवर्सिटी में ही पढ़ीं और वहीं प्रोफेसर भी बनीं

- प्रो. जैन का जन्म 1956 में ग्वालियर में हुआ।
- डॉ. जैन जीवाजी यूनिवर्सिटी में ही पढ़ीं, वहीं प्रोफेसर भी बनीं।
- मार्च 1985 में लेक्चरर नियुक्त हुईं। 1987 में वे रीडर बनीं और 1998 में प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत हुईं।

जद्दोजहद के बाद डॉ. जैन को कुलपति बनाए जाने के पीछे बड़ी वजह यह है कि कुलाधिपति किसी महिला को ही कुलपति बनाना चाहती थीं। बताते हैं जीवाजी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कुलाधिपति को डॉ. जैन का नाम सुझाया था। कुलाधिपति भी साफ कर चुकी थीं कि टीचिंग और रिसर्च में रुचि रखने वाली महिला को ही यह पद दिया जाए। राजभवन ने अपनी पसंद के जो नाम शासन को भेजे थे, उसमें प्रो. जैन का नाम प्रमुखता से शामिल था।

मैं ऐसी कुलपति रहूंगी, जो क्लास में जाकर अपनी पसंद का विषय (साइंस-मैथ्स) पढ़ाऊंगी भी। मेरे सामने कई चुनौतियां रहेंगी। अब ए ग्रेड डीएवीवी को ए प्लस ग्रेड दिलवाने का प्रयास करूंगी। सीईटी पर विभागाध्यक्षों और अधिकारियों से चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। 17 हजार छात्रों के भविष्य का मामला है, इसलिए सभी से चर्चा जरूरी है।
-डॉ. रेणु जैन, नवनियुक्त कुलपति

बुधवार को ही शुरू हो गई थी कवायद

दरअसल, नए कुलपति की नियुक्ति की कवायद बुधवार सुबह से ही शुरू हो गई थी। राजभवन ने कुलपति की नियुक्ति की फाइल राज्य शासन से बुलवाई। विक्रम यूनिवर्सिटी पर कोर्ट के फैसले, सीईटी पर बवाल और आमरण अनशन पर बैठे अजय चौरड़िया की तबीयत बिगड़ने के चलते शासन को झुकना पड़ा। शासन ने तत्काल फाइल राजभवन भेजी, जहां से कुलाधिपति ने फाइल अहमदाबाद बुलवाई। देर रात कुलाधिपति ने फाइल पर हस्ताक्षर कर डॉ. जैन के नाम पर मुहर लगा दी। हालांकि अपनी पसंद के नाम रिजेक्ट हो जाने से नाराज शासन ने तभी से फाइल रोक रखी थी।

-पेज 2 भी पढ़ें